

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत गाड़गे जी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाज सुधारक संत गाड़गे जी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स में लिखा है कि संत गाड़गे जी महाराज का समाज सुधार, शिक्षा, स्वच्छता और सेवा के प्रति अद्वितीय योगदान लोक कल्याण की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत गाड़गे जी द्वारा तत्कालीन समाज में फैले अंधविश्वास, आडंबर, रूढ़ियों, कुरीतियों और दुर्व्यसनों के खिलाफ जागरूकता लाने के सद्प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संत गाड़गे जी के विचार और आदर्श अनंतकाल तक समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि संत गाड़गे जी महाराज ने अपने जीवन में समाज सुधार, विशेष रूप से स्वच्छता व शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। उनके विचार और योगदान आज भी प्रासंगिक होकर समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

इमैक्ट फीवर-भोपाल में निवेश बढ़ने से तेजी से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। सेज ग्रुप की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, शिवानी अग्रवाल ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर कहा, मैं इस बात से बेहद उत्साहित हूँ कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (तट्टू) पहली बार हमारे शहर में आयोजित हो रही है। इस समिट के कारण भोपाल में पहले से ही ग्रोथ और डेवलपमेंट देखने को मिल रहा है। इसके बाद यह सिलसिला और तेज होगा। इस आयोजन के जरिए देश-विदेश के बड़े उद्योगपति और डेलीगेट्स भोपाल आ रहे हैं। यहां निवेश बढ़ने से रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। मेरा मानना है कि सबसे बड़ा प्रभाव मैनुफैक्चरिंग सेक्टर पर होगा, क्योंकि यह सेक्टर सबसे ज्यादा नौकरियां उत्पन्न करता है। इसके विकास से अन्य सेक्टर भी आगे बढ़ेंगे, जिससे भोपाल का समग्र औद्योगिक और आर्थिक विकास संभव होगा। पहले भोपाल को सिर्फ गैस कांड के कारण याद किया जाता था, लेकिन अब यह शहर तेजी से बदल रहा है। इसकी खूबसूरती, कनेक्टिविटी और शांत वातावरण इसे एक आदर्श निवेश गंतव्य बनाते हैं। अब युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपनी स्किल्स को और बेहतर बनाएं, ताकि यहां आने वाली नई इंडस्ट्रीज को कुशल मानव संसाधन मिल सके। इस समिट के बाद भोपाल का औद्योगिक और आर्थिक परिदृश्य पूरी तरह बदलने वाला है। हमें इस अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए और मध्यप्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के इस सफर में योगदान देना चाहिए।

आगामी त्योहारों को लेकर भोपाल में सिंधी समाज की बैठक

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। सिंधी मेला समिति ने रविवार को कबीर कुटिया में आगामी त्योहारों के मद्देनजर बैठक का आयोजन किया। बैठक में सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। 16 मार्च को होली मिलन समारोह और पारिवारिक पिकनिक होगा। 23 मार्च को शहीद हेमू कलानी की जयंती मनाई जाएगी। इसी दिन भगवान झूलालाल के जन्मोत्सव चेटोचंड पर 5 किलोमीटर की सिंधी मेरापन का आयोजन होगा। 12 और 13 अप्रैल को दो दिवसीय पारिवारिक सिंधी मेला होगा। मई में सिंधी स्पोर्ट्स मेनिया का आयोजन किया जाएगा। बैठक में समाज के चरित्र सदस्यों ने कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए अपने विचार रखे। इस अवसर पर सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरजा मौजूद थे। सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष किशोर तनवानी भी उपस्थित थे। बैठक में राजकुमार वाधवानी, राम आसुदानी, कपिल भाटिया, अमर दावानी, दीपक राजानी और महेश बजाज समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। माया पंजवानी, सीमा सबनानी, भावना जगवानी, सिया आसुदानी, पूजा भाटिया और चेतना वाधवानी सहित समिति की महिला सदस्य भी मौजूद रहीं।

स्वच्छ जल, स्वच्छ मन अभियान का तीसरा चरण

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। संत निरंकारी मिशन द्वारा अमृत प्रोजेक्ट के तहत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन के तीसरे चरण का आयोजन विश्वर में हुआ। इस अवसर पर बैरागढ़ ब्रांच ने खटलापुरा मंदिर से लेकर करिश्मा पार्क छोटा तालाब व झूलालाल विसर्जन घाट पर साफ-सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में संत निरंकारी मिशन के भक्तों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दिखाई। अभियान के दौरान जल के महत्व पर चर्चा करते हुए सतरु माता सुदीक्षा ने कहा कि पानी अमृत समान है और इसकी स्वच्छता और संरक्षण हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए। संत निरंकारी मिशन के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने बताया कि यह अभियान केवल एक दिन का नहीं, बल्कि हर महीने विभिन्न जल स्रोतों और घाटों की स्वच्छता के लिए निरंतर जारी रहेगा। इस मुहिम में विशेष रूप से युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित इस सेवा अभियान में 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1650 से अधिक स्थानों पर 10 लाख से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस अभियान में जल बचाव के महत्व को रेखांकित किया गया और यह संदेश दिया गया कि छोटे-छोटे प्रयासों से हम जल बचत कर सकते हैं। इसके साथ ही, ग्लोबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन (लक्ष्मण) ने संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन को 2025 के प्रतिष्ठित %वाटर कंजर्वेशन इनिशिएटिव एनर्जीओ ऑफ द ईयर% पुरस्कार से सम्मानित किया।

संभागायुक्त को परमिट देने का अधिकार, 10 साल बाद ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी अब बसों के स्थाई परमिट मिलेंगे

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल सहित प्रदेशभर के विभिन्न रूटों पर बसों की उपलब्धता का रास्ता साफ हो गया है। परिवहन विभाग अब बस ऑपरेटरों को स्थाई परमिट जारी कर सकेगा। इस कड़ी में राज्य सरकार ने 10 साल बाद सदस्यीय रोजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (आरटीए) का गठन कर दिया है। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर विवेक शर्मा ने बताया कि सभी 10 संभागों के संभागायुक्त इस अथॉरिटी के हेड होंगे। बसों के पेंडिंग परमिट की सुनवाई कर अलॉटमेंट दे सकेगे। 2015 से 2019 तक परिवहन विभाग के डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को बसों के स्थाई परमिट देने के अधिकार रहे हैं। 2019 में हाई कोर्ट के निर्देश के बाद डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर से यह अधिकार छिन गए थे। नई व्यवस्था के तहत अब बसों के लिए जो स्थाई परमिट जारी होंगे, उनकी अवधि पांच साल के लिए होगी। इंदौर संभाग में 1,488, जबलपुर में 1,232, ग्वालियर में 1,265, उज्जैन में 1,188 और भोपाल संभाग में 835 परमिट लंबित हैं। वहीं, चंबल में सबसे कम 345, शहडोल में 395 और रीवा में 965 स्थाई परमिट पेंडिंग हैं। वहीं पूरे प्रदेश में 9,523 स्थाई परमिट पेंडिंग हैं।



बैरागढ़ में सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ का आयोजन



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। बैरागढ़ निजी मोटर्स कंपनी के शोरूम में सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 लोगों ने भाग लिया।

कंपनी प्रमुख मनोज गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में अग्निहोत्र यज्ञ की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण से उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों में यह यज्ञ लाभदायक है। गुप्ता ने चिंता व्यक्त की कि पानी, हवा और भूमि में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव जीवन खतरे में पड़ सकता है। बता दें कि माधव आश्रम भोपाल 1963 से अग्निहोत्र यज्ञ का प्रचार कर रहा है। आश्रम का लक्ष्य है कि प्रत्येक घर में अग्निहोत्र यज्ञ की स्थापना हो। आज भारत और विदेशों में इसे कॉस्मिक हीलिंग टूल के रूप में अपनाया जा रहा है।

भोपाल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के शिवाजी नगर स्थित सेवा भारती आनंद धाम वृद्धाश्रम में आज निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के कुलदीप शुक्ला ने बताया कि मरीजों को निःशुल्क

दवाएं दी जाएंगी और एक्स-रे, सोनोग्राफी, ईसीजी, नेत्र जांच, बीपी, शुगर और सभी प्रकार की खून की जांच भी मुफ्त की जाएगी। सेवा भारती मध्य भारत प्रांत व यूथ सेवा इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाएगी। शिविर में मेडिसिन, हड्डी रोग, हृदय रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, शिशु रोग, छाती एवं श्वास रोग, दांत रोग, चर्म रोग, सर्जरी और नाक-कान-गला रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद रहेंगे। गंभीर मरीजों के लिए आधार कार्ड और समग्र आईडी कार्ड लाना आवश्यक है।

सरोजिनी नायडू शासकीय कॉलेज में वार्षिकोत्सव भव्या 3 मार्च से



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। सरोजिनी नायडू शासकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में इस वर्ष का वार्षिकोत्सव भव्या 3 मार्च से 8 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का नाम भारतीय संस्कृति में

शक्ति की प्रतीक देवी 'भव्य' के सम्मान में रखा गया है। इस विशेष वार्षिकोत्सव का उद्घाटन इस बार एक अनूठी नृत्य नाटिका 'शक्ति रूप' से होगा, जो कला और संस्कृति के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा। वार्षिकोत्सव का उद्घाटन

%शक्ति रूप% नामक नृत्य नाटिका से होगा। इसकी तैयारी के लिए छात्राओं को एक माह की विशेष कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पेशेवर कलाकारों द्वारा छात्राओं को छाऊ नृत्य और कठपुतली नृत्य सिखाया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें स्टैंड-अप कॉमेडी, ड्रड्रॉलिंग, सलाद सज्जा, मेहेंदी और ट्रेजर हंट शामिल हैं। नूतन भव्या प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। इसमें छात्राओं का चयन उनके बौद्धिक स्तर, शारीरिक फिटनेस और प्रतिभा के आधार पर किया जाएगा। कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव कर रही हैं, उनका मानना है कि छात्राओं को कला, साहित्य, संगीत और शिक्षा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता प्राप्त करनी चाहिए। उनका उद्देश्य यह है कि छात्राएं न केवल अकादमिक क्षेत्र में, बल्कि शैक्षिक गतिविधियों में भी अपनी पूरी क्षमता को पहचानें और उसका विकास करें।

होली पर पर्यावरण बचाने की पहल



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अनूठी पहल की जा रही है। होलिका दहन में लकड़ी की जगह गो-काष्ठ के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण प्रदूषण को कम करना और पेड़ों की कटाई को रोकना है। शहर के 12 प्रमुख समाज और कई संगठन इस पहल में शामिल हुए हैं। गो-काष्ठ संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण समिति के प्रमुख सलाहकार डॉ. मोरेंद्र सक्सेना के अनुसार, गोकाष्ठ को कपड़े के थैलों में पैक कर जनता को वितरित किया जाएगा। समिति कॉलोनी के अध्यक्षों और रहवासी समितियों से लगातार संपर्क में है। पिछली होली में इस मुहिम का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। शहरवासियों ने 1000 क्विंटल गो-काष्ठ का उपयोग किया, जिससे लगभग 1000 पेड़ों को कटने से बचाया गया। समिति के सदस्य ममता शर्मा ने बताया कि भोपाल में 42 से अधिक गो-काष्ठ केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस वर्ष होलिका दहन 13 मार्च को होगा और रंगों का त्योहार 14 मार्च को मनाया जाएगा। जनजागरूकता के लिए नुकड़ नाटक का भी आयोजन किया जाएगा।

गर्मी के मौसम में बिजली का बिल घटाने के आसान तरीके

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। गर्मी के मौसम में अक्सर बिजली बिल बढ़ जाता है, जिसकी वजह कुछ जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल तथा उनके रखरखाव में कमी होती है। जैसे-जैसे पारा चढ़ता है, वैसे-वैसे ए.सी., कूलर, पंखों का इस्तेमाल बढ़ जाता है। ऐसे में आपका बिजली का बिल ना बढ़े, इसके लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कूच कारगर तरीके सुझाये हैं। ए.सी. इस्तेमाल करने वालों के लिए टिप्स यह है कि वह अपने ए.सी. के टेम्प्रेचर को 27 डिग्री पर सेट करें। इससे नीचे टेम्प्रेचर करने पर ए.सी. के कंप्रेसर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ए.सी. ज्यादा देर तक चलता है। ए.सी. वाले कमरों के खिड़की- दरवाजे ए.सी. चलने के दौरान मजबूती से बंद रखें। यदि दरवाजे-खिड़कियों में झिरियां हों तो



साथ-साथ कमरे में पंखा भी चलाएं। ए.सी. के एयर फिल्टर को हर 10-15 दिनों में अच्छी तरह धोकर साफ करें। फिल्टर में धूल जमने में आपको पूरी ठंडक नहीं मिलती और आपको ए.सी. ज्यादा देर तक चलाना पड़ता है। ए.सी. वाले कमरों के खिड़की- दरवाजे ए.सी. चलने के दौरान मजबूती से बंद रखें। यदि दरवाजे-खिड़कियों में झिरियां हों तो

के साथ ही कंडेंसर की जांच जरूर कराएँ। पुराने रेगुलेटर की जगह इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर लगाएँ, इससे बिजली कम खर्च होती है। इसी तरह पंखे इस्तेमाल करने के दौरान जरूरी है कि घर के सब पंखों की सर्विसिंग करा लें। खराब कंडेंसर, बाल बेयरिंग इत्यादि को तुरंत बदलवा लें, वही पंखे में इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर का इस्तेमाल करें। रेफ्रिजरेटर इस्तेमाल करने में भी सावधानी रखें गर्मी का मौसम शुरू होने के पहले रेफ्रिजरेटर की जांच करा लें। रेफ्रिजरेटर का दरवाजा बार-बार ना खोलें। दरवाजा बार-बार खुलने या ज्यादा देर खुला रहने से कंप्रेसर को फ्रिज का टेम्प्रेचर बनाये रखने में ज्यादा मेहनत लगती है। जिससे बिजली की खपत अधिक होगी और बिल बढ़ेगा। एकदम गर्मी गर्म खाना या दूध फ्रिज में न रखें।

8 एकड़ पर बनेगा नया इस्कॉन मंदिर, कोलार में भूमिपूजन

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े इस्कॉन मंदिर %इस्कॉन कोलार% का भूमिपूजन रविवार 2 मार्च को कोलार में होगा। इस्कॉन भोपाल बोवायसी के अध्यक्ष रसानंद दास प्रभु ने बताया कि मानसरोवर डेंटल कॉलेज के पास स्थित 8 एकड़ हरे कृष्ण लैंड पर भूमिपूजन समारोह होगा। इस समारोह में भाग लेने के लिए वर्ल्ड वाइड इस्कॉन के प्रमुख और गर्वनिंग बोर्डी कमिश्नर (लक्ष्मण) गुरुप्रसाद स्वामी महाराज पहली बार भोपाल आ रहे हैं। उनके साथ इस्कॉन मध्यप्रदेश के प्रभारी एवं जोनल सेक्रेटरी महामनदास प्रभु उपस्थित होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालिनी राय, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष भगवानदास सबनानी



सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ गोपूजन और इस्कॉन के संस्थापकाचार्य श्रील प्रभुपाद की आरती से किया जाएगा। इसके बाद 2 मार्च रविवार की सुबह 7.30 बजे भूमि को पवित्र करने व सभी देवी-देवताओं के आह्वान के साथ हवन-यज्ञ किया जाएगा। परमपूज्य गुरुप्रसाद स्वामी महाराज एवं महामनदास

प्रभुजी अनंत शेष की स्थापना करेंगे। रसानंद प्रभु ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार पृथ्वी माता अनंत शेष के फन पर विराजमान हैं। अनंतशेष भगवान कृष्ण का गुणगान अपने अनंत मुखों से करते हैं। हम भी ऐसा मानते हैं कि मंदिर की ये भूमि भी अनंत शेष के फन पर है। अतः वे इस भूमि को सदा प्रकार से रक्षा करेंगे। हवन-यज्ञ के लिए मायापुर-वृंदावन और जगन्नाथपुरी से

पुरोहित आएंगे। भूमिपूजन महोत्सव के पहले शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर मंदिर के भक्त रोज हरिनाम संकीर्तन कर नारावासियों को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। भक्त हरे कृष्ण... महामंत्र का कीर्तन एवं प्रसादम देकर आमंत्रण पत्र दे रहे हैं। इस्कॉन गर्ल फोरम (आईजीएफ) की सदस्यों द्वारा फूलों की रंगोली बनाई जाएगी। इसमें रंगोली के अलावा तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूलों का उपयोग किया जाएगा। रंगोली में कृष्ण लीलाओं को दिखाया जाएगा। फूलों की रंगोली के लिए विभिन्न प्रकार के फूलों का ऑर्डर किया गया है। भूमिपूजन के पावन अवसर पर मंत्र के विभिन्न शहरों में स्थित इस्कॉन के मंदिर और सेंटेंटों से विभिन्न कीर्तन पार्टियां हरिनाम का कीर्तन करेंगी।

विचार

अश्लीलता एक बहाना, सोशल मीडिया पर है रोक लगाना

डिजिटल सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर अश्लीलता और हिंसा दिखाए जाने की शिकायतों को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जल्द ही सोशल मीडिया पर नकेल कसने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सरकार नया कानून बनाने जा रही है। इस बार सरकार को कोर्ट का भी सहारा मिलने जा रहा है। नैना के यूट्यूब कार्यक्रम इंडियाज गोट लेटेस्ट में रणवीर इलाहाबादिया की अभद्र टिप्पणियों को लेकर देशभर में इस तरह के कार्यक्रमों पर रोक लगाने की बात की जा रही है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर जिस तरह से अश्लील वीडियो अपलोड किए जा रहे हैं, उसको लेकर भी आम जनता में रोष है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने अश्लीलता और हिंसक वीडियो को रोकने के लिए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सरकार के लिए यह मौका है, जब सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए कानून को अपनी मनमर्जी से पास करा सकती है। इसके पहले भी सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर सेंसरशिप लगाने के प्रयास किए गए थे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण को लेकर विरोध के कारण सरकार को तब सफलता नहीं मिली थी। अब खुद न्यायालय द्वारा सरकार से सोशल मीडिया के इस तरह के प्लेटफॉर्म पर कानून बनाने और उस पर नियंत्रण करने की बात कही गई है। इससे केंद्र सरकार को एक नया मौका मिल गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह मामला संसदीय समिति की ओर भेज कर समाज में बढ़ रही हिंसा, यूट्यूब, गूगल, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म के लिए कानून बनाने के लिए समिति से सलाह मांगी है। सोशल मीडिया के जरिए किस तरह से संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है, इसको रोकने के लिए कानून में क्या प्रावधान किए जाएं? इसको लेकर सरकार का सूचना प्रसारण मंत्रालय सक्रिय हो गया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म में हो रही सरकार की आलोचनाओं तथा सोशल मीडिया में आम नागरिक पत्रकार बनकर वीडियो डालकर जो सत्य उजागर कर रहा है। इससे सरकार और प्रशासन की मुश्किलें बढ़ रही हैं। सरकार सोशल मीडिया पर सबको रोकना चाहती है। हाल ही में महाकुंभ और दिल्ली की रेलवे स्टेशन में जो भगदड़ की घटनाएं हुई हैं। नागरिकों ने घटना के जो वीडियो बनाए थे। वह सोशल मीडिया में डाल दिए। जिसके कारण केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और रेल मंत्रालय को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। जवाबदेही भी तय होने लगी है। पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को सरकार ने पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया है। सोशल मीडिया पर सरकार कोई नियंत्रण नहीं बना पा रही है। सरकार को लग रहा है, इससे अच्छा मौका दोबारा नहीं मिलेगा।

सनातन धर्म में अष्ट चिरंजीवियों की गौरवगाथा

1. अश्वत्थामा- अश्वत्थामा द्रोणाचार्य के पुत्र थे। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार अश्वत्थामा के माथे (ललाट) पर एक विशेष प्रकार की मणि थी, जिसके कारण उन्हें भूख, प्यास तथा थकान नहीं लगती थी। उस अभूतपूर्व मणि के कारण उन्हें अमरत्व का वरदान प्राप्त था। अश्वत्थामा को शिवजी का पाँचवाँ अवतार माना जाता है। कथन है कि अश्वत्थामा ने उरा के गर्भ को नष्ट करने की योजना बनाई और ब्रह्मास्त्र से उस गर्भ की हत्या कर दी। इतना ही नहीं अश्वत्थामा ने द्रौपदी के पाँचों पुत्रों की भी हत्या कर दी। इस घटना से भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें शाप दिया था कि वे विश्व में हमेशा घूमते रहेंगे और इधर-उधर भटकते रहेंगे। कहा जाता है कि उनके माथे (ललाट) पर एक घाव है। वे शिव मंदिरों में पूजन के लिए जाते रहते हैं। किंवदन्ती है कि बुरहानपुर के आसपास के जंगलों में वे घूमते रहते हैं। अश्वत्थामा की अमरता आनन्दमयी नहीं है। उनकी अमरता दुःखमय और कष्टपूर्ण जीवन का प्रतीक है।



अश्वत्थामा बड़े पराक्रमी और धनुर्विद्या में पारंगत थे। द्रोणाचार्य ने अपनी पत्नी कृपी के साथ हिमालय की कंदराओं में तप किया था तो भगवान शिव ने उन्हें शक्तिशाली, तेजस्वी व बलवान पुत्र होने का वरदान दिया था। इसके प्रभाव से अश्वत्थामा का जन्म हुआ।

2. बलि- राजा बलि तीनों लोकों के राजा थे। देवतागण इस बात से बड़े परेशान थे। अपनी समस्या के समाधान के लिए वे माता अदिति और कश्यपजी के पास पहुँचे। कश्यपजी ने अदिति को एक व्रत करने की सलाह दी। इस व्रत के प्रभाव से वामन भगवान का जन्म हुआ। वे राजा बलि के पास तीन पग भूमि लेने के लिए पहुँचे। राजा बलि अपनी दानशीलता के लिए प्रसिद्ध थे। शुक्राचार्य दैत्यों के गुरु थे। वे वामन भगवान को पहचान गए कि वे विष्णु का अवतार हैं। वे नहीं चाहते थे कि राजा बलि तीन पग भूमि दान देने का संकल्प ले इसलिए वे कमण्डल में छुप कर बैठ गए। कमण्डल की डंडी छोटी थी अतः एक लघु रूप धारण कर शुक्राचार्य उसमें छुप गए। जल की धारा में व्यवधान से राजा बलि संकल्प न ले सके। अतः राजा ने उस डंडी में एक छोटी लकड़ी डाल दी, जिससे शुक्राचार्य की एक आँख चली गई। वे बाहर आ गए। राजा बलि ने तीन पग भूमि देने का संकल्प ले लिया। एक पग में आकाश लोक, दूसरे में पृथ्वी लोक। तीसरा पग बलि ने अपने सिर पर रखवा लिया। बलि को पाताल लोक का

राजा बना दिया।

3. वेदव्यास- व्यासजी के बारे में कथन है- व्यास वन्दे जगत् गुरुम्।

व्यासजी को भगवान् विष्णु का अवतार माना जाता है। भारतीय संस्कृति के महानतम गुरु में इनकी तुलना की जाती है। इनके पिता का नाम ऋषि पाराशर तथा माता का नाम सत्यवती था।

इन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की है। विद्वानों का मत है कि वेदों का वर्गीकरण करने का श्रेय वेदव्यास को ही प्राप्त है। महाभारत, अठारह पुराण, उपपुराण, ब्रह्म सूत्र आदि प्रसिद्ध ग्रंथों के रचयिता वेदव्यास ही हैं। श्री गणेशजी ने महाभारत ग्रंथ के लेखन कार्य किया। व्यासजी बोलते जाते थे और गणेशजी लिखते जाते थे। इनका जन्म तुरपूर्णिमा जिसे व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं को हुआ था। वर्तमान समय में युवा पीढ़ी आषाढ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाती है। व्यास पीठ का पूजन करते हैं। गुरु का स्वागत सत्कार कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

इनके चार औरस पुत्र थे- शुकदेव, धृतराष्ट्र, पांडु, विदुर। विदुर की माता दासी होने से वे दासी पुत्र कहलाए। ब्रह्माजी ने व्यासजी को अमरत्व का वरदान दिया था।

4. हनुमान- हनुमानजी की भूमिका रामचरितमानस में सीतान्वेषण के कार्य में एक प्रमुख धुरी के समान है।

हनुमानजी के बिना सीता की खोज का कार्य असम्भव-सा प्रतीत होता है। हनुमानजी को माता सीता ने उनके उत्कृष्ट कार्य के लिये चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया था-

मन सन्तोष सुनत कपि बानी।
भंगति प्रताप तेज बल सानी॥
आसिष दीन्ह रामप्रिय जाना।
होहु तात बल सील निधाना॥
अजर अमर गुनिनिधि सुत होहू।
करहुँ बहुत रघुनायक छोहू॥
(रामचरितमानस सुन्दरकाण्ड दो. 16/1, 2, 3)
श्रीराम हनुमानजी को भरत के समान भाई मानते थे-
लाय सजीवन लखन जियाये।
श्रीरघुवीर हरषि उर लाये॥
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई॥
(हनुमानचालीसा चौपाई क्र. 6)

हनुमानजी ने ही श्रीराम की सुग्रीव से भेंट कराने का दुष्कर कार्य किया था। लंका में युद्ध के समय लक्ष्मण के अचेत होने पर श्रीहनुमानजी ही सुषेण वैद्य के कहने पर संजीवनी बूटी के लिये पूरा पर्वत ही उठा कर ले आये थे। सुषेण वैद्य ने तत्काल समय पूर्व औषधि देकर लक्ष्मणजी को जीवित कर दिया था। जब तक पृथ्वी पर श्रीरामजी का नाम जपा जावेगा, तब तक हनुमानजी का सामीप्य रहेगा। रामभक्तों के उद्धारक हनुमानजी ही हैं।

5. विभीषण- लंका में एकमात्र रामभक्त विभीषण ही थे। वे रावण के छोटे भाई थे। हनुमानजी ने सीता माता को खोजते हुए एक भवन देखा-

भवन एक पुनि दीख सुहावा।
हरि मन्दिर तहँ भिन्न बनावा॥
(श्रीरामचरितमानस सुन्दरकाण्ड दोहा 4/8)
रामायुध अंकित गृह सोभा बरनि न जाइ।
नव तुलसिका बूंद तहँ देखि हरष कपिराइ॥
(श्रीरामचरितमानस सुन्दरकाण्ड दोहा 5)

हनुमानजी ने देखा कि विभीषण का भवन सुहावना था। वहाँ हरि का मन्दिर था। उस पर श्रीराम का आयुध अंकित था। वहाँ तुलसी लगी हुई थी। घर इससे शोभायमान था। इस दृश्य को देख कर हनुमानजी प्रसन्न हो गए।

जब विभीषण रावण को माता सीता को रामजी को सहर्ष लौटाने की सलाह देने गया तो रावण ने अपने पैरों से उस पर प्रहार कर दिया। फलस्वरूप विभीषण श्रीराम की शरण में चले गए। वहाँ श्रीराम ने उन्हें समुद्र से जल मँगवा कर तिलक करके उन्हें लंका का राजा घोषित कर दिया।

जदपि सखा तव इच्छा नाहीं।
मोर दरसु अमोघ जग माहीं॥
अस कही राम तिलक तेहि सारा।
सुमन वृष्टि नभ भई अपारा॥
(श्रीरामचरितमानस दोहा 48/9, 10 सुन्दरकाण्ड)

विभीषण को ब्रह्मा का वरदान था कि वे आजीवन धर्म का पक्ष लेंगे। समुद्र के देवता वरुण ने विभीषण को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया था।

6. कृपाचार्य- कृपाचार्य की प्रमुख तपस्वियों में गणना की जाती है। वे कौरव तथा पांडवों के गुरु थे। उनके असाधारण कौशल के कारण भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें अजर, अमर होने का वरदान दिया था। महाभारत महाकाव्य की एक कथा के अनुसार परशुरामजी द्वारा कृपाचार्य को अमरत्व का वरदान दिया था।

7. परशुराम- परशुरामजी को विष्णु भगवान का छठा अवतार माना जाता है। इनकी सतयुग से लेकर कलयुग तक कथाएँ प्राप्त होती हैं। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार परशुरामजी का जन्म ऋषि मुनिश्री की रक्षा के लिए हुआ था। परशुरामजी के पिता का नाम जमदग्नि तथा माता का नाम रेणुका था। इनका जन्म मध्यप्रदेश के जानापाव नामक स्थान पर हुआ था। वे जाति से ब्राह्मण थे। इनके चार बड़े भाई थे- रुक्मवान, सुषेण, वसु, विशावसु। परशुरामजी को न्याय का देवता माना जाता है। वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया को इनका जन्म हुआ था। इसे अक्षय-तृतीया भी कहा जाता है। इस दिन परशुराम की जयन्ती समारोहपूर्वक मनाई जाती है। भगवान शिव इनके गुरु थे। ये अपने पिता जमदग्नि के आज्ञाकारी पुत्र थे। एक बार माता रेणुका नदी पर जल लेने गईं। वहाँ उन्होंने ऋषियों को स्नान करते देखा। इस दृश्य से उनका मन विचलित हो गया और उन्हें घर आने में देरी हो गई। जमदग्नि इस बात से क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने पुत्रों को आदेशित किया वे अपनी माता का सिर काट दें।

भारत बन रहा है ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लीडर

केंद्रीय बजट 2025-26, भारत के ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लीडर बनने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी पर अधिक ध्यान देने के साथ, इस बार घोषित किया गया केंद्रीय बजट अधिक कुशल, प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के लिए मंच तैयार करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की दीर्घकालिक आर्थिक विकास और वैश्विक व्यापार एकीकरण की नींव रखने वाली प्रतिबद्धता पूरी तरह स्पष्ट है। एक मजबूत लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर एक बिना किसी रुकावट वाली सप्लाई चेन को बनाये रखने के लिए अहम है।

बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1.5 ट्रिलियन रुपये आवंटित करने का सरकार का निर्णय सही दिशा में एक कदम है। आधुनिक परिवहन नेटवर्क और कनेक्टिविटी सिस्टम ट्रांजिट की देरी को कम करने और व्यवसायों के लिए लागत दक्षता में सुधार करने में एक लंबा रास्ता तय करेंगे। बजट का एक उल्लेखनीय पहलू 25,000 करोड़ रुपये का मेरीटाइम डेवलपमेंट फंड(एमडीएफ) है, जो भारत के जहाज निर्माण उद्योग के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण है। यह पहल विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम करने और भारत की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए बनाई गई है। साल 2047 तक भारतीय ध्वज वाले जहाजों के माध्यम से ग्लोबल कार्गो का 20% संभालने का लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन आधुनिक बंदरगाह बुनियादी ढांचे और शिपिंग टेक्नोलॉजीस में निरंतर निवेश के साथ प्राप्त किया जा सकता है। हालांकि, केवल बुनियादी ढांचा ही पर्याप्त नहीं

है। वैश्विक मंच पर वास्तव में प्रतिस्पर्धा करने के लिए, भारत को उन्नत लॉजिस्टिक्स सल्यूशंस और ऑटोमेशन में निवेश में तेजी लानी चाहिए। उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ संचालन को सुव्यवस्थित करने से यह सुनिश्चित होगा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बनाए रखे और प्रतिस्पर्धी बना रहे। बजट के सबसे आशाजनक पहलुओं में से एक सरकार और प्राइवेट प्लेयर्स के बीच बढ़ता सहयोग है। निजी उद्यमों को पीएम गति शक्ति डेटा तक पहुंच प्रदान करना एक प्रगतिशील कदम है जो लॉजिस्टिक्स प्रोजेक्ट्स की बेहतर प्लानिंग, क्राडिनेशन और एक्जिक्यूशन की सुविधा प्रदान करेगा। यह पहल दक्षता में सुधार करेगी, अडचनों को कम करेगी और लागत-प्रभावशीलता को बढ़ावा देगी।

इसके अतिरिक्त, एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन का उद्देश्य लोन और एक्सपोर्ट क्रेडिट सुविधाओं तक आसान पहुंच प्रदान करके एमएसएमई को बढ़ावा देना है। 20 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध होने से, छोटे और मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजारों में विस्तार और प्रतिस्पर्धा करना आसान हो जाएगा। एमएसएमई को मजबूत करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे भारत का अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनमें निर्यात को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन की अपार क्षमता है। एयर कार्गो त्वरित और कुशल व्यापार को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बेहतर स्क्रानिंग, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं और कम टर्नअराउंड समय सहित एयर कार्गो इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर बजट का जोर भारत की व्यापार क्षमताओं को मजबूत करेगा। चूंकि ग्लोबल कॉमर्स तेज गति और दक्षता पर



निर्भर करता है, इसलिए ये सुधार भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक पसंदीदा हब के रूप में उभरने में मदद करेंगे।

120 नए गंतव्यों को शामिल करने के लिए उड़ान योजना का विस्तार एक और महत्वपूर्ण कदम है। दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों को प्रमुख आर्थिक केंद्रों से जोड़कर, छोटे शहरों और गांवों में व्यवसायों को बड़े बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। आर्थिक समावेशन और आपूर्ति श्रृंखलाओं के सुचारू संचालन के लिए ग्रामीण संपर्क को मजबूत करना आवश्यक है।

लॉजिस्टिक्स उद्योग तेजी से डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहा है, और यह बजट नए जमाने की तकनीकों को अपनाने के महत्व को पहचानता है। डिजिटल फ्रेट सल्यूशंस और डेटा-संचालित निर्णय लेने के एकीकरण से कार्गो की आवाजाही में सुधार होगा, दक्षता में सुधार होगा और लागत कम होगी। निजी संस्थाओं को पीएम गति शक्ति डेटा उपलब्ध कराना एक साहसिक कदम है जो लॉजिस्टिक्स संचालन में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देगा।

नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी (एनएलपी)

और जीएसटी लागू किये जाने ने पहले ही अधिक सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक्स ढांचे में योगदान दिया है। लॉजिस्टिक्स को एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा क्षेत्र के रूप में मान्यता देना भारत की आपूर्ति श्रृंखला संचालन को अधिक कुशल और लागत प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

2025-26 का केंद्रीय बजट भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए एक स्पष्ट और रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करता है। बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण, नियमों को सरल बनाने और डिजिटल इनोवेशंस का लाभ उठाकर, भारत खुद को ग्लोबल ट्रेड और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित कर रहा है। ये उपाय देश के मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात-संचालित अर्थव्यवस्था बनने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

आईआईएम मुंबई में, हम भारत के आर्थिक भविष्य को आकार देने में लॉजिस्टिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं। बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और निजी क्षेत्र के सहयोग में निरंतर निवेश के साथ, भारत लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में ग्लोबल लीडर बनने की राह पर है।

इस बजट में उल्लिखित पहल केवल आर्थिक विकास के बारे में नहीं हैं, वे एक लचीले, भविष्य के लिए तैयार लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के निर्माण के बारे में हैं जो व्यवसायों, उपभोक्ताओं और पूरी अर्थव्यवस्था को लाभान्वित करते हैं। भारत का लॉजिस्टिक्स परिवर्तन शुरू हो गया है, और सही रणनीतियों के साथ, हम इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में ग्लोबल लीडरशिप हासिल करने की राह पर हैं।

भारत ने अपने नाम किया अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड, टीम इंडिया ने हारा लगातार 12 बार टॉस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले के शुरू होते ही टीम इंडिया के नाम एक अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारतीय टीम अब वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा टॉस हारने वाली टीम बन गई है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पांचवां मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में खेला जा रहा है। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उन्होंने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लगातार 12वीं बार हुआ है जब टीम इंडिया वनडे क्रिकेट में टॉस हारी है। इससे पहले ये अनचाहा रिकॉर्ड नीदरलैंड के नाम था। नीदरलैंड

क्रिकेट टीम ने लगातार 11 बार वनडे में टॉस हारे थे। इस कड़ी में टीम इंडिया ने पहला टॉस न्यूजीलैंड के खिलाफ 2023 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में हारा था। रोहित शर्मा ने अंतिम बार वनडे में नीदरलैंड के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप 2023 में टॉस जीता था। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में भी टॉस हारा था लेकिन मैच जीतने में उसे कोई परेशानी नहीं हुई थी। पाकिस्तान की तरफ बांग्लादेश ने भी पहले बल्लेबाजी चुनी थी लेकिन शुभमन गिल के शतक और केएल राहुल की सुझबूझ भरी पारी से टीम इंडिया ने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया था।

चैंपियंस ट्रॉफी का ये मुकाबला मेजबान के लिए करो या मरो जैसा है।

पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया को सपोर्ट करने पहुंचे जसप्रीत बुमराह, खिलाड़ियों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान मैच के दौरान टीम इंडिया को जसप्रीत बुमराह का भी साथ मिलेगा। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जसप्रीत टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं बावजूद इसके वह दुबई पहुंचे। असल में बुमराह मैदान में बैठकर टीम इंडिया का हौसला बढ़ाएंगे। बता दें कि, जसप्रीत बुमराह को ऑस्ट्रेलिया टूर पर चोट लगी गई थी।

इसके चलते वह आखिरी टेस्ट के फाइनल सेशन में गेंदबाजी भी नहीं कर पाए थे। इस चोट के चलते ही बुमराह पिछले कुछ अरसे से टीम से बाहर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भी वह जगह नहीं बना पाए थे। इस दौरान उन्होंने टीम इंडिया के सितारों से मुलाकात की और विराट कोहली ने उन्हें गले लगाया। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान

मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। वहीं टीम ने फख्र जमान की जगह इमाम-उल-हक को मौका दिया है। इस रोमांचक मुकाबले के लिए बुमराह भी खुद को बाहर नहीं रख पाए और दुबई पहुंच गए। चैंपियंस ट्रॉफी का ये पांचवां मैच है। अभी तक भारत और पाकिस्तान ने दोनों ने एक-एक मैच ही खेला है। जहां भारत की टीम ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश को हराकर विजयी आगाज किया है। जबकि पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में पाकिस्तान के लिए ये मैच काफी अहम हो गया है। अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ ये मुकाबला हार जाती तो फिर उसके लिए टूर्नामेंट में बने रहना काफी मुश्किल हो जाएगा।

हार्दिक पंड्या ने कहा, मैंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हरफनमौला हार्दिक पंड्या को लगता है कि पिछले साल वेस्टइंडीज में आईसीसी टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद उन्होंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है। पंड्या को पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान नियुक्त किया गया था। वह गुजरात टाइटंस को छोड़कर वापस मुंबई की टीम से जुड़े थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों ने लगातार उनको निशाने पर रखा था। पंड्या ने हालांकि इस नकारात्मकता को पीछे छोड़कर अमेरिका और

वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत 2007 के बाद पहली बार इस प्रतियोगिता को जीतने में सफल रहा। पंड्या ने इस टूर्नामेंट में 144 रन बनाने के साथ 11 विकेट भी लिए। पंड्या ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किए गए वीडियो में कहा, "मेरे लिए जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैंने उन्हें मुंबई की टीम से जुड़े थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों ने लगातार उनको निशाने पर रखा था। पंड्या ने हालांकि इस नकारात्मकता को पीछे छोड़कर अमेरिका और

भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से दी पटखनी, विराट कोहली ने खेली आतिशी पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5वां मुकाबला दुबई के स्टेडियम में खेला गया। जिसे भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीता। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 49.4 ओवर में 241 रन बनाए। जिसके जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में 4 विकेट पर 244 रन बनाए। इस जीत के साथ भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय हो गया है। वहीं पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया है। भारत के लिए विराट कोहली ने 111 गेंद पर नाबाद 100 रन बनाए।

वहीं आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की पॉइंट्स टेबल में भारत टॉप पर पहुंच गई है। साथ ही इस जीत से भारत ने पाकिस्तान से 2017 का बदला भी ले लिया है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ तीसरी जीत हासिल की है। पाकिस्तान ने भी इस टूर्नामेंट में भारत से तीन मैच जीते हैं।

वहीं मुकाबले की बात करें तो, पाकिस्तान टीम टॉस जीतने के बाद 49.4 ओवर में 241 पर ढेर हो गई। पाकिस्तान के



लिए सऊद शकील ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 76 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 62 रन की पारी खेली। कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 77 गेंदों में 46 रन बनाए, जिसमें चौके शामिल हैं। उन्होंने शकील के साथ

तीसरे विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की। बाबर आजम ने 25 गेंदों में 23 रन बटोरे। उन्होंने पांच चौके मारे। इमाम-उल हक 10 ने और सलमान आगा ने 19 रनों का योगदान दिया। वहीं सातवें नंबर पर खुशदिल

शाह ने 39 गेंदों में 38 रन की पारी खेली। उन्होंने दो छक्के लगाए।

वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की अच्छी शुरुआत थी। कप्तान रोहित शर्मा 15 गेंदों में 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें शाहीन अफरीदी ने पांचवें ओवर में बोल्ट किया। इसके बाद, कोहली ने शुभमन गिल (52 गेंदों में 46, सात चौके) के साथ दूसरे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। गिल को स्पिनर अब्दुर अहमद ने 18वें ओवर में बोल्ट किया। कोहली ने श्रेयस अय्यर (67 गेंदों में 56 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रनों की अहम पार्टनरशिप की। लग रहा था कि दोनों भारत को जिताने लौटेंगे लेकिन अय्यर 39वें ओवर में खुशदिल शाह के जाल में फंस गए। शाहीन ने 40वें ओवर में हार्दिक पंड्या (8) को पवेलियन भेजा। कोहली ने चौका लगाकर 51वां वनडे शतक कंप्लेट किया। ये उनके इंटरनेशनल करियर का 82वां शतक है। वहीं भारत के लिए कुलदीप यादव ने 3, हार्दिक पंड्या ने 2 और हर्षित राणा और अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। जबकि अक्षर पटेल ने 2 रन आउट भी किए।

बाबर आजम को आउट करने के बाद हार्दिक पंड्या का रिएक्शन वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान हाईवोल्टेज मुकाबला रविवार को दुबई में खेला जा रहा है। जहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही है। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान के इस निर्णय को गलत साबित करके पावरप्ले में ही दो विकेट झटकें। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज बाबर आजम को आउट करके पहली सफलता दिलाई। इसके बाद सोशल मीडिया पर हार्दिक पंड्या का बाबर आजम को आउट करने के



बाद का रिएक्शन वायरल हो रहा है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम भारत के खिलाफ हाईवोल्टेज मुकाबले में लय में नजर

आए। उन्होंने आउट होने से पहले पांच बेहतरीन चौके लगाए। बाबर ने 24 गेंद में 23 रन की पारी खेली। बाबर ने इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतकीय पारी

खेली थी लेकिन पारी होने के कारण से उनकी काफी आलोचना हुई थी।

बाबर आजम का विकेट लेने के बाद भारतीय खिलाड़ियों में काफी जोश दिखा। वहीं हार्दिक ने भी काफी जोशीला जश्न मनाया। पवेलियन लौटते समय हार्दिक ने बाबर आजम को बाय-बाय का इशारा किया। उनका ये इशारा सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो रहा है। बाबर ने हार्दिक के ओवर की पहली ही गेंद पर चौका लगाया था। हालांकि, दूसरी गेंद पर हार्दिक ने उन्हें कैच आउट कराकर पवेलियन भेजा।

रोहित शर्मा वनडे में बतौर ओपनर सबसे तेज 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने



नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दूसरे लीग मैच में भारतीय कप्तान और ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपनी पारी के दौरान एक बड़ा और नया वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस मैच में पाकिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में 241 रन बनाते हुए भारत को जीत के लिए 242 रन का टारगेट दिया। रोहित शर्मा ने वनडे फॉर्मेट में बतौर ओपनर बल्लेबाज 9000 रन 181 पारियों में पूरे किए जबकि इससे पहले सचिन तेंदुलकर ने ये कमाल 197 पारियों में किया था। अब रोहित शर्मा ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है और वो पहले नंबर पर आ गए। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर सौरभ गांगुली हैं जिन्होंने ऐसा 231 पारियों में किया था जबकि क्रिस गेल ने 246 इनिंग में 9 हजार रन बतौर ओपनर पूरे किए थे। रोहित शर्मा वनडे प्रारूप में 9000 रन बनाने वाले दुनिया के छठे बल्लेबाज बने। वनडे में इससे पहले बतौर ओपनर 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज तेंदुलकर, जयसूर्या, क्रिस गेल, गिलक्रिस्ट, गांगुली थे। बतौर ओपनर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड तेंदुलकर के नाम पर दर्ज है तो वहीं इस लिस्ट में रोहित छठे नंबर पर हैं।

हार्दिक पंड्या ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 विकेट पूरे किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई में खेले जा रहे भारत और पाकिस्तान मुकाबले में टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने गेंदबाजी में अहम भूमिका निभाई है। दरअसल, उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 200 विकेट पूरे किए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ दुबई में खेले जा रहे मैच में अपना दूसरा विकेट लेते ही ये आंकड़ा छुआ। पाकिस्तान के साऊद शकील (62) उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 200वां शिकार बने।

वहीं हार्दिक पंड्या के आंकड़ों की बात करें तो, पाकिस्तान की पारी के शुरुआती कुछ ओवरों के दौरान मोहम्मद शमी फिटनेस कारणों से बाहर चले गए थे। ऐसे में पंड्या ने प्रमुख तेज गेंदबाज की गैरमौजूदगी में बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने बाबर आजम के रूप में अपनी पहली सफलता हासिल की।



इसके बाद उन्होंने अर्धशतक लगाने वाले शकील का विकेट

इकोंमो रेट से 31 रन दिए। हार्दिक पंड्या ने 2016 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। वनडे में उन्होंने 85 पारियों पर 89 विकेट लिए हैं। उन्होंने 11 टेस्ट में 31.29 की औसत के साथ 17 विकेट लिए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 102 पारियों में 26.43 की औसत के साथ 94 विकेट चटकाए हैं। पंड्या ने अब तक 216 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें लगभग 30 की औसत के साथ 200 विकेट झटकें हैं। इस बीच उन्होंने 1 पारी में 5 विकेट भी चटकाए हैं।

इसके साथ ही पंड्या अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4 हजार रन बनाने के साथ-साथ 200 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में शुमार हुए हैं। उन्होंने 172 पारियों में 30.50 की औसत के साथ 4,249 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 1 शतक और 20 अर्धशतक लगाए हैं।

इसके साथ ही पंड्या अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4 हजार रन बनाने के साथ-साथ 200 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में शुमार हुए हैं। उन्होंने 172 पारियों में 30.50 की औसत के साथ 4,249 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 1 शतक और 20 अर्धशतक लगाए हैं।

कोहली और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने देना चाहिये-सरफराज

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद का मानना है कि भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना भविष्य तय करने का अधिकार खुद मिलना चाहिये। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद कप्तान रोहित और अनुभवी बल्लेबाज कोहली के भविष्य पर सवाल उठने लगे। इन श्रृंखलाओं में दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। सरफराज ने यहां पत्रकारों से कहा, "लोगों को विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बात भी नहीं करनी चाहिए। भारत के लिए उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।"

उन्होंने कहा, "विराट कोहली ने भारत के लिए मुश्किल मैच जीते हैं और मैंने उन मैचों को देखा है। आप कल्पना नहीं कर सकते कि उन्होंने भारत के लिए किस



तरह का प्रदर्शन किया है।" पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान ने कहा, "रोहित शर्मा के लिए भी यही बात लागू होती है। जिस तरह से वह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं वह शानदार हैं। उन्होंने 2023 (वनडे) विश्व कप में टीम का बेहतरीन तरीके से नेतृत्व किया और इसके बाद टी 20 विश्व कप जीता।" सरफराज ने कहा कि विराट और रोहित सही समय आने पर क्रिकेट को अलविदा कह देंगे, लेकिन तब तक भारत को अपनी टीमों "उनके आसपास" बनानी चाहिए। सरफराज ने कहा, "उन्हें

खेलने दें और उन्हें तय करने दें कि वे क्या करना चाहते हैं। आपको उनके आसपास ही अपनी टीम बनानी चाहिए। जिस तरह से उन्होंने टी 20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहा उसी तरह से वे अन्य प्रारूपों में भी करेंगे। आपको उन्हें हटाकर टीम नहीं बनानी चाहिए, आपको उन्हें शामिल करके टीम बनानी चाहिए।" सरफराज ने कहा कि पाकिस्तान को भी इसी तरह बाबर आजम को केंद्र में रखकर टीम तैयार करनी चाहिए। पूर्व कप्तान बाबर भारत के खिलाफ चैंपियंस

ट्रॉफी मैच में हालांकि महज 23 रन पर आउट हो गए।

उन्होंने कहा, "बाबर आजम एक अलग खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि उन्हें (पाकिस्तान) टीम को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि बाबर आजम भारत के लिए विराट कोहली की तरह पूरे 50 ओवर खेल सकें। वह शुरुआत में समय लेते हैं और फिर खेल को आगे बढ़ाते हैं।" उन्होंने कहा, "उनका (बाबर का) लक्ष्य किसी पर क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए पूरे 50 ओवर तक खेलने का हीना चाहिये। उनके साथ मौजूद दूसरे बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का जिम्मा उठाना चाहिये। सरफराज ने कहा कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करनी चाहिए थी। उन्हें पाकिस्तान के लोगों से काफी प्यार और सम्मान मिलता। उन्होंने कहा, "मैं आपसे पाकिस्तानी लोगों का सामान्य दृष्टिकोण साझा करना चाहूंगा।"

